DAINIK JAGRAN
Delhi

HINDI DAILY | Readership: 55.7 million | DATE: APRIL 24, 2012 | Page Nai Rahen

VISA WINDOW

NOW GIVE VISA INTERVIEW IN INDIAN LANGUAGES

If you wish to travel to America for studies, work or tourism, it is now possible to give your visa interview in Indian languages. In this monthly column, U.S. Embassy consular officers will themselves address important visa related issues.

भारतीय भाषा में दे सकते हैं वीजा इंटरव्यू

VISA WINDOW

आप पढ़ाई, जॉब, कारोबार, पर्यटन आदि के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, तो हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में भी वीजा के लिए इंटरव्यू दे सकते हैं। इस मासिक स्तंभ में वीजा से जुड़ी ऐसी तमाम जरूरी जानकारियां देंगे खुद अमेरिकी दूतावास के अधिकारी...

पिछले कुछ वर्षों में भारत-अमेरिका संबंध और ज्यादा प्रगाढ़ हुए हैं। इसका प्रमाण यह है कि आज तकरीबन 1 लाख, 4 हजार भारतीय छात्र अमेरिका में अध्ययन कर रहे हैं। पिछले वर्ष करीब 1 लाख कारोबार संबंधी वीजा जारी किए गए। भारत-अमेरिका के बीच पर्यटकों की आवाजाही भी गत कुछ वर्षों में बढ़ी है। दोनों देशों के बीच सहयोग और आदान-प्रदान के क्रम में 1950 में शुरू फुलब्राइट-नेहरू फेलोशिप के तहत अब तक 2806 भारतीय छात्र हायर स्टडी के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रवेश ले चुके हैं। इस साल 2012 में 152 फुलब्राइट-नेहरू फेलो अध्ययन व शोध के लिए भारत से अमेरिका जाएंगे।

अमेरिका जाने के लिए वीजा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हैदराबाद में कांसुलेट जनरल ने 2009 से ही कामकाज आरंभ कर दिया है, जबकि कुछ समय पहले मुंबई में भी कांसुलेट ऑफिस की शुरुआत की गई है। अमेरिकी वीजा के लिए आवेदकों के इंटरव्यू अब नई दिल्ली स्थित हमारे दूतावास और मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता कांसुलेट में हिंदी, उर्दू, गुजराती, तमिल, तेलुगू और बांग्ला में भी लिए जाते हैं।

वैयक्तिक स्तर पर हम नियमित रूप से 10 वर्षीय, बहु-प्रवेशीय (मल्टीपल-एंट्री) पर्यटक व बिजनेस वीजा जारी करते हैं। हमारी कोशिश रहती है कि वीजा प्रक्रिया में कम से कम समय लगे, ताकि लोगों को ज्यादा प्रतीक्षा न करनी पड़े। 97 प्रतिशत आवेदन-पत्रों पर अगले कार्यदिवस तक और 99 प्रतिशत से अधिक पर कार्यवाही 30 दिनों के भीतर आरंभ कर दी जाती है। वर्ष 2011 में भारत में अमेरिकी मिशन ने लगभग 7 लाख गैर-आप्रवासी वीजा प्रक्रिया पूरी की हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा ने पिछले दिनों अपने एक महत्वपूर्ण शासकीय आदेश में कहा था कि, 'हम प्रतीक्षा नहीं कर सकते।' इसका मतलब यह है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के अध्ययन में मदद के लिए अब और इंतजार नहीं किया जा सकता। हमारा मानना है कि अमेरिका आने वाले भारतीय एक्सपर्ट प्रोफेशनल्स दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध बढ़ाएंगे और शोध, सेवा व नवीकरण द्वारा पारस्परिक संबंधों को और मजबूती प्रदान करेंगे। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय पर्यटकों को अमेरिकी शहरों, वहां प्रकृति के अद्भुत दृश्यों और ऐतिहासिक स्थलों को देखने का अवसर भी मिले।

भारत में अमेरिकी वीजा जारी करने की प्रक्रिया को और आसान बनाने में सहायता के लिए इस वर्ष 'आस्क द वीजा ऑफिसर' नामक नए आउटरीच कार्यक्रम के जरिए वीजा समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद है।

इस बार से महीने में एक बार दिए जाने वाले इस स्तंभ के तहत वीजा के विभिन्न प्रकारों (जैसे-बिजनेस वीजा, स्टूडेंट वीजा या वर्किंग वीजा आदि) और उनके लिए आवेदन की प्रक्रिया आदि के बारे में बताया जाएगा, ताकि अमेरिका जाने की इच्छा रखने वाले भारतीय बेहिचक इसका लाभ उठा सकें। और अधिक जानकारी व परामर्श के लिए अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट newdelhi.usembassy.gov देखी जा सकती है।

जेम्स डब्ल्यू हरमैन
(लेखक नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में मिनिस्टर-काउंसिलर फॉर कांसुलर अफेयर्स हैं)